

11-9-18

पञ्जाबली फेश ड्रई। बार-बार उस राज दिलवाई
साई परन्तु सावर्णी / बकील सावर्णी या व.ग.
कोई अपास्तिले लोडी है अन्वय प्रलय का
समय समाप्त होने को है अतः सावर्णी का
T-1. प्राण फल अदम्य हाजरी एवं अदम्य कैदगी
में खारिज किया गया। पञ्जाबली फैसला
शुमार होकर दर्जे नम्बर से कम हो। अंग्रेज
नवले न्यायालय में सुनाया मे सुनाया गया।

—।
उप खण्ड अधिका
साँभर लेक